इस्मा को उम्मीद

गन्ने की बुआई में कमी, लेकिन शुगर प्रॉडक्शन बढ़ेगा

[ईटी ब्यूरो | पुणे]

गन्ने की बुआई में 1 फीसदी की गिरावट के बावजूद इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने अपने पहले एडवांस एस्टिमेट में उम्मीद जताई है कि 2014-15 में इंडिया का शुगर प्रॉडक्शन पिछले साल के मुकाबले ज्यादा रहेगा। इस्मा ने कहा है कि देश में शुगर प्रॉडक्शन 2.8 फीसदी से लेकर 4.5 फीसदी के बीच ज्यादा रहेगा।

लगातार 5वें साल देश में शुगर प्रॉडक्शन सरप्लस रहने के आसार हैं। हालांकि, इससे शुगर प्राइसेज में गिरावट का ट्रेंड पैदा होने का खतरा नहीं है क्योंकि इंडस्ट्री सरकार से इनसेंटिव्स जारी रखने की मांग कर रही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की बुआई बढ़ी है, यहां रिकवरी अच्छी रहती है। इस तरह से देशभर में एवरेज तौर पर गन्ने की बुआई में आई गिरावट की भरपाई हो जाएगी।

इस्मा की रिलीज में कहा गया है, 'सितंबर सैटेलाइट इमेज के आधार पर, हमारा अनुमान है कि गन्ने का कुल रकबा 52.94 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले साल से करीब 1 फीसदी कम है।

इस्मा के पहले एडवांस एस्टिमेट के मुताबिक, 2014-15 में शुगर प्रॉडक्शन 250 से 255 लाख टन के बीच रहेगा, जो 2013-14 में 243 लाख टन था। डोमेस्टिक कंजम्पशन के 240 लाख टन से थोड़ा ज्यादा रहने की उम्मीद है।'

महाराष्ट्र में गन्ने का कुल रकबा 10.41 लाख हेक्टेयर रहने की उम्मीद है, जो पिछले साल से 11 फीसदी ज्यादा है। राज्य में शुगर प्रॉडक्शन के 2014-15 में 93 लाख टन रहने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 77.11 लाख टन से करीब 20 फीसदी ज्यादा है। हालांकि उत्तर प्रदेश में गन्ने का रकबा करीब 23.07 लाख हेक्टेयर होने की खबरें आ रही हैं, जो पिछले साल से करीब 8 फीसदी कम है। यूपी में शुगर प्रॉडक्शन के करीब 60 लाख टन रहने की उम्मीद है। यह पिछले साल के 65 लाख टन से करीब 8 फीसदी कम होगा।

कर्नाटक में गन्ने की बुआई 4.9 लाख हेक्टेयर में होने का अनुमान है, जो पिछले साल से 2 फीसदी ज्यादा है। कर्नाटक में प्रॉडक्शन इस साल 7 फीसदी ज्यादा रह सकता है। हालांकि तमिलनाडु में तस्वीर कुछ अलग है। यहां इस साल कम बारिश हुई है और सूखे जैसी हालात हैं।

तमिलनाडु में शुगर प्रॉडक्शन के 11 लाख टन रहने की उम्मीद है, जो पिछले साल से 20 फीसदी कम है। गुजरात और आंध्र प्रदेश में शुगर प्रॉडक्शन क्रमशः 12 लाख टन और 10 लाख टन रहने की उम्मीद है, जो पिछले साल के बराबर ही है। इस्मा का अनुमान है कि 1 अक्टूबर 2014 को देश में शुगर का ओपनिंग स्टॉक 72 से 75 लाख टन के बीच रहेगा, जो पिछले साल के ओपनिंग बैलेंस के मुकाबले भले ही कम है, लेकिन अगले स्टॉक के मार्केट में आने तक यह देश की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

2-8-4.5% तक बढ़त

- **देश के** शुगर प्रॉडक्शन में 2.8-4.5% तक की बढ़ोतरी होगी
- **इससे शुगर** प्राइस में डाउन ट्रेंड पैदा होने का खतरा नहीं है
- **शुगर इंडस्ट्री** सरकार से इनसेंटिव्स जारी रखने की मांग कर रही है
- **महाराष्ट्र और** कर्नाटक में गन्ने की बुआई बढ़ी है, यहां रिकवरी अच्छी रहती है

Economic Times
18/9/14